महापुरूष को पहेचानने में निम्नलिखित बातों का भी खयाल रखना चाहिए।

1. वास्तविक संत के नियमित संपर्क में रहने पर आपके मन नें भगवान के लिए लगाव विकसित होगा।

2. दैनंदिन जीवन की समस्याएं आपके दिमाग को कम परेशान करेगी। उदाहरण के लिए, किसी भी चीज के नुकसान पर आप कम दुःख महसूस करोगे। जैसे पैसे का नुकसान हुआ, मान सौ रुपया कही खो गया, तो आप उतने परेशान नहीं होंगे जितने कि संत से मिलने से पहले परेशान होते थे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

3. इस दुनिया से आपका लगाव धीरे धीरे कम होता जाएगा।

4. ईश्वरीय अनुभव पाने की आपकी प्यास बढ़ जाएगी।

यह जानना परमावश्यक है कि कौन वास्तविक है और कौन नकली है, क्योंकि संत या गुरू के माध्यम से, आप आपके इस जीवन के साथ-साथ भविष्य के जीवन को आकार देने जा रहे है।

यदि आप एक नकली पाखंडी के गुरू मान लेते हैं और नकली पाखंडी के निर्देशों के अनुसार गलत काम करते हैं, तो आपको अपने नकली गुरू के साथ नरक जाना पड़ेगा। जैसे कि आतंकवादि और उनके धार्मिक उत्तेजक नरक को प्राप्त होंगे।

आध्यात्मिक अभ्यास के नाम पर सभी तरह के संसारी

कामुक भोग को अपनाने वाले लोग भी अपने नकली गुरू के साथ नरक में जाएंगे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

महापुरूष का मिलन भगवान की कृपा से होता है। इसलिए महापुरूष मिलन के भगवान से रो कर प्रार्थना करना ही सबसे बढ़िया मार्ग है। वे अपने आपको किसी महापुरूष से मिला देंगे।